

मैथिली प्रसंग

नई दृष्टिकोण नई सोच

MAITHILI PRASANG

सोमवार, 22 अप्रैल, 2024, वर्ष : 10, अंक : 05, पृष्ठ : 06, मूल्य : 1.00 रुपये

नई दिल्ली

दिल्ली | मुम्बई | पटना | चंडीगढ़ | जयपुर | लखनऊ | भोपाल | रांची | देहरादून

वैश्विक युद्धों के बीच हमारे तीर्थकरों की शिक्षाएँ प्रासंगिक : प्रधानमंत्री

भगवान महावीर के प्रति युवाओं की प्रतिबद्धता दशार्ती है कि देश सही दिशा में जा रहा

विनय कुमार



मैथिली प्रसंग ब्यूरो, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को महावीर जन्म कल्याणक के पवन अवसर पर 2550वें भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आज के समय में भगवान महावीर के मूल्यों के प्रति युवाओं की प्रतिबद्धता दशार्ती है कि देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम 2500 वर्षों के बाद भी भगवान महावीर का निर्वाण दिवस मना रहे हैं और देश आने वाले हजारों वर्षों तक भगवान महावीर के मूल्यों का उत्सव मनाता रहेगा। दुनिया में जारी कई युद्धों के बीच हमारे तीर्थकरों की शिक्षाओं ने एक नई प्रासंगिकता हासिल की है। उन्होंने शिक्षाओं पर चलते हुए आज भारत विभाजित दुनिया में हृदयवश बंधुत्व के रूप में अपनी जगह बना रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आप सब तो जानते हैं, चुनाव की इस भागवैद

के बीच, इस तरह के पुण्य कार्यक्रम में आना मन को बहुत ही शान्त देने वाला है। प्रमुख दिग्गमर जैनाचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज को याद करते हुए उन्होंने कहा कि आज इस अवसर पर मुझे महान मार्गदर्शक समाधिस्थ आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज का स्मरण होना स्वाभाविक है। पिछले ही वर्ष छत्तीसगढ़ के चंद्रगिरी मंदिर में मुझे उनका सामिन्ध मिला था। उनका भौतिक शरीर भले ही हमारे बीच नहीं है, लेकिन, उनके आशीर्वाद जरूर हमारे साथ हैं। मोदी ने कहा कि भगवान महावीर का ये दो हजार पांच सौ पचासवाँ निर्वाण महोत्सव हजारों वर्षों का एक दुर्लभ अवसर है। ये वो समय है जब भारत अमृतकाल के शुरुआती दौर में है। देश आजादी के शताब्दी वर्ष को स्वर्णिम शताब्दी बनाने के लिए काम कर रहा है। इस साल हमारे संविधान

को भी 75 वर्ष होने जा रहे हैं। इसी समय देश में एक बड़ा लोकतान्त्रिक उत्सव भी चल रहा है। देश का विश्वास है यहाँ से भविष्य की नई यात्रा शुरू होगी। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वैश्विक संघर्षों के बीच देश युद्ध-रत हो रहे हैं। ऐसे में, हमारे तीर्थकरों की शिक्षाएँ और भी महत्वपूर्ण हो गई हैं। उन्होंने मानवता को वाद-विवाद से बचाने के लिए अनेकतवादी और स्वादवाद जैसे दर्शन दिये हैं। अनेकतवादी अर्थात्, एक विषय के अनेक पहलुओं को समझना। दूसरों के दृष्टिकोण को भी देखने और स्वीकारने की उदरता वाला। आस्था की ऐसी मुक्त व्याख्या, यही तो भारत की विशेषता है। आज हम सत्य और अहिंसा जैसे ब्रह्मों को वैश्विक मंचों पर पूरे आत्मविश्वास से रखते हैं। हम दुनिया को ये बताते

जो जैसा कर्म करता है वैसा फल मिलता है: आचार्य श्री समयसागर जी महाराज

के.डी जैन



मैथिली प्रसंग ब्यूरो, दामोह। सुप्रसिद्ध सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर में शुभश्रुत संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य आचार्य श्री समयसागर जी महाराज ने मंगल प्रवचन देते हुए कहा कर्मों का आश्रय जो हो रहा है उसको रोकना है उसका निरोध करना है और निरोध करने के लिए विभिन्न प्रकार के साधन आगम के माध्यम से उपलब्ध हो सकते हैं। इसमें एक अनुप्रेक्षा को प्राथमिकता देते हुए कल विषय रखा था इस विषय को जो गुरुदेव ने समय-समय पर जो दिया है उसी को समय-समय पर हम स्मरण में लाने का पुरुषार्थ कर रहे हैं। उन्होंने एक बार में नहीं कई बार प्रसंग पढ़ाया है कि चिंतन जो होता है वह पर्याय का भी विषय बनाकर चिंतन होता है और पर्याय को भी विषय बनाकर किया जा सकता है। बहुत अनोखी बात उन्होंने यह कही है कि द्रव्य का चिंतन करने से भीती समाप्त होती है और पर्याय का चिंतन करने से वैराग्य उत्पन्न होता है। आप क्या चाहते हैं भीती से ऊपर उठना चाहते हैं तो आप किसका सहाय लेते हैं समझने के लिए सामने व्याग्र आ गया अथवा बहुत बड़ा विशाल अजगर जिसको बोलते अगर इस सभा में अजगर आ जाए तो निश्चित रूप से भय की उदीयता होगी। ध्यान देने की बात यह है कि हम या आप व्याग्र से डरते सर्पादिक से डरते हैं क्यों डरते हैं सत्य यह है हमें मृत्यु से भीती होने के कारण उस व्याग्र या क्रूर स्वभाव वाले तिर्यंच होते उनसे बचाने का पुरुषार्थ करते। जिससे मृत्यु का भय नहीं है तो सामने भी बैठे पीछे भी बैठे आगे बैठे उसके बीच में वह बैठेंगे और द्रव्य का चिंतन करेंगे सोचो विचारो जो गुरुदेव चिंतन करते हैं हम और आप भी चिंतन करते प्रयोग चिंतन करो भीती समाप्त होगी। दोहा लिखा है। अंत किसी का कब हुआ अनंत सभी संत, पर सब मिटता सा लगा पतझड़ पुनः बसंत। पदार्थ की ना उत्पत्ति होती ना पदार्थ का विनाश होता है भय से ऊपर उठना चाहो तो द्रव्य का चिंतन करो स्वभाव का चिंतन करो स्वभाव का अर्थ प्रत्येक पदार्थ का अपना अपना स्वभाव है उसका चिंतन करो तो

आकर्षक विकर्षण समाप्त होगा। भीती उत्पन्न नहीं होगी। सात प्रकार के भय हैं। आचार्य महाराज पढ़ा रहे थे पूछा कितने प्रकार के भय होते हैं एक महाराज ने कहा आठ प्रकार के भय होते हैं। आचार्य महाराज ने कहा हमने पढ़ाया है सात प्रकार के भय होते सबको ज्ञात है सात प्रकार के भय होते हैं। आठवाँ वह जो आपको डर भीती उत्पन्न होती है। गुरुदेव ने कहा मुझे से क्यों डरते हो तुम पाप से डरो पाप भीरु होना चाहिए। श्रमण के लिए संसारी प्राणी नरक जाने से डरता है किंतु नरक में कारण भूत जो सामग्री होती उससे बचना चाहता है। सन 87 की बात है आचार्य महाराज का चातुर्मास शिवन जी में हुआ संघ के साथ हुआ। उस समय अपराह्न बेला में आचार्य भक्ति संघन हुई और मेरे पास एक सज्जन आए उन्होंने हाथ जोड़कर निवेदन किया मुझे डर लगता है। किससे डर लगता है महाराज स्वाध्याय करने से हमें डर लगता है। क्यों इस प्रकार के परिणाम करने से तिर्यंच आयु का बंध होता है। इस प्रकार के परिणाम करने से अनेक प्रकार के कर्मों का बंध होता है। यह चर्चा आगम में मिलती है इसलिए मुझे डर लगता है नरक जाने से क्यों डरते हो नरक जाने के जो कारण है उनसे बचो तो भगवान मेरा भविष्य कैसा रहेगा एक प्रसंग और स्मरण में आ रहा महाराज हमने सुना है अनेक व्यक्तियों के मुख से हमने सुना है महाराज आप भविष्य जानते हैं। मान लो एक व्यक्ति चोरी कर रहा है तो उसका भविष्य जेल होगा। यह पक्की बात है जो जैसा कर्म करता है निश्चित रूप से वैसा फल मिलता है। आगम के अनुरूप में बात कर रहा हूँ गुरुदेव ने जो बात आगम के अनुरूप रखी है वही मैं बात कर रहा हूँ परिणामों के आश्रित ही भविष्य होगा।

कांग्रेस ने बच्चों के हाथों में थमाया तमचा: योगी

मैथिली प्रसंग ब्यूरो/ बलवान सिंह

मैथिली प्रसंग ब्यूरो, राजनांदगांव। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को छत्तीसगढ़ में अपने तेवर में रहे। विधानसभा चुनाव के बाद लोकसभा चुनाव में कमल के फूल के लिए समर्थन मांगने पहुंचे योगी आदित्यनाथ का जनमानस ने जोरदार स्वागत किया। 'योगी-योगी' के नारों से छत्तीसगढ़ की रैली गुंज उठी। यहां बुलडोजर बाबा को जनमानस ने सिर आंखों पर बैठाया। सीएम योगी ने एक तरफ जहां उत्तर प्रदेश व छत्तीसगढ़ के आध्यात्मिक संबंधों की चर्चा की तो वहीं कांग्रेस को खूब धोया। राजनांदगांव लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार संतोष पांडेय के पक्ष में जनसभा की तो इस सीट से कांग्रेस उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की बखिया उधेड़ दी। **घोटाले, आतंकवाद व नक्सलवाद का नाम है कांग्रेस** सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस घोटाले, आतंकवाद, नक्सलवाद का नाम है। जिस आयु में युवाओं के हाथों में पुस्तक, टैबलेट, दुनिया को आगे बढ़ाने का जज्बा होना चाहिए, कांग्रेस ने उस आयु के बच्चों के हाथों में तमचे पकड़ा दिए। उन्हें भारत के खिलाफ ही लड़ने के लिए नक्सलवाद, आतंकवाद, उग्रवाद के नाम पर उकसाया। कांग्रेस शासन के समय यहां लव जेहाद की घटनाओं को छुट दे दी गई थी। सामान्य नागरिक भुवनेश्वर साहू के साथ हुई घटना कोई भूला नहीं है। छत्तीसगढ़ की



जनता का अभिवादन करता हूँ कि उनके पिता ईश्वर साहू को विधायक बनाकर भुवनेश्वर की स्मृतियों को जीवंत बनाने का कार्य किया है। भुवनेश्वर ने लव जेहाद और कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति का विरोध करते हुए अपना बलिदान दे दिया था। **शराब व कोयला घोटाला कांग्रेस की प्रवृत्ति, लेकिन भूपेश बघेल ने गोबर घोटाला भी कर डाला** सीएम योगी ने कहा कि इस सीट पर कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को प्रत्याशी बनाया है। उनके ऊपर पहले से शराब, कोयला, पब्लिक सर्विस कमीशन, महादेव ऐप आदि के घोटाले का आरोप और एफआईआर हो, वह व्यक्ति उसक के साथ चुनाव लड़ने का दुस्साहस कर रहा है। वह मानकर चलता है कि कितना भी बड़ा अपराध करेगा और समाज की आंखों में धूल झाँककर सत्ता हथिया लेगा। वे यह जान लें कि नए भारत में घोटालेबाज नहीं चलेंगे। शराब व कोयला घोटाला कांग्रेस की प्रवृत्ति थी लेकिन भूपेश बघेल ने

गोबर घोटाला भी कर डाला। गोमाता को तस्करो- कसाइयों के हवाले कर दिया गया था। **कांग्रेस को जब भी अवसर मिला, छत्तीसगढ़ को खूब लूटा** सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस को जब भी अवसर मिला, उन्होंने छत्तीसगढ़ को लूटने का कोई अवसर नहीं छोड़ा। गरीबों, पिछड़ों, वनवासियों-आदिवासियों के उत्थान के लिए श्रद्धेय अटल जी व पीएम मोदी के नेतृत्व में बनी योजनाओं को रमन सिंह-विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकारों ने लागू किया तो कांग्रेस ने पांच वर्ष के कुशासन में इसे समाप्त करने का प्रयास किया। छत्तीसगढ़ हजारों वर्षों से विरासत का संरक्षण करती आ रही है। सरकारों ने उपेक्षा की होगी। लोगों ने तमाम प्रकार के गलत तरीके से छवि को प्रस्तुत करने का प्रयास किया होगा, लेकिन केंद्र में अटल जी-मोदी जी व प्रदेश की भाजपा सरकार मजबूती के साथ छत्तीसगढ़ को पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध

दिखाई देती है। **गांधी के नाम पर सत्ता हथियाने वालों ने राम व भारत के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा किया** सीएम योगी ने कहा कि जब रायपुर में राम जी का मंदिर बन रहा था, तब रमन सिंह यहां के सीएम थे। उस समय उन्होंने कहा था कि हम पहले ही छत्तीसगढ़ में भगवान राम का मंदिर बना रहे हैं। मैंने कहा कि बालक पहले ननिहाल ही आता है। जब छत्तीसगढ़ में रामलला आ जाएंगे तो अयोध्या में भी मंदिर बनने से कोई रोक नहीं पाएगा। पीएम मोदी के कारण राम मंदिर बन सका। कांग्रेस के लोग कहते थे कि राम हुए ही नहीं। गांधी जी 'रघुपति राघव-राजा राम' कहते थे, उनके अंतिम शब्द 'हे राम' थे। जिन लोगों ने गांधी के नाम पर जीवन भर सत्ता हथियाई, उन लोगों ने राम और भारत के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा करने की कुत्सित चेष्टा की। **योगी ने गिनावा भाजपा व कांग्रेस का अंतर** सीएम योगी ने कहा कि डॉ. रमन सिंह की सरकार ने एक रुपये किलो चावल गरीबों, आदिवासियों को दिया तो मोदी सरकार चार वर्ष से 80 करोड़ गरीबों को फ्री में राशन की सुविधा दे रही है। 50 करोड़ गरीबों के जनघन अकाउंट खोलकर मोदी जी ने कांग्रेसियों की कमीशनखोरी पर रोक लगा दी। मोदी सरकार ने चार करोड़ मकान बनवाए, उप्र में 56 लाख गरीबों के मकान बने, लेकिन भूपेश बघेल सरकार ने 18 लाख गरीबों को मकानों से वंचित किया था।

Think ahead Invest for future

जैवर एयरपोर्ट और फिल्म सिटी के पास प्लॉट लेने का सुनहरा अवसर

GUARANTEED BUY BACK *** T&C

सपनों को दें ऊँची उड़ान एयरपोर्ट के पास खरीदें अपना मकान

REALPRIX INFRACON PVT. LTD.
Corporate Office: C-4, 1st Floor, Sector-2, Noida, UP-201301
Web.: www.realprixinfracon.com | E-mail : info@realprixinfracon.com

CONTACT US : 9555668330

Advt.: Maithili Prasang



